बाबा खाटू श्याम | by Ashok Shauq

ओ बाबा खाटू श्याम
तेरा बहुत सुना है नाम
एक अर्ज़ सुनो मेरी
मुझ निर्बल को लो थाम

दीन और दुखियों पे महर करी तूने
खाली आये थे झोली भरी तूने
लखदातार तुम्हे कहते हैं लोग तमाम
एक अर्ज़ सुनो मेरी
मुझ निर्बल को लो थाम
ओ बाबा खाटू श्याम ....

किस्मत के मारो का बाबा तू सहारा है
तेरे नाम की शक्ति ने दिया पार उतारा है
तेरे दर पे बराबर है चाहे ख़ास हो चाहे आम
एक अर्ज़ सुनो मेरी
मुझ निर्बल को लो थाम
ओ बाबा खाटू श्याम ....

तेरा बन के रहूं चाकर रहूं सेवादारी में
सरकार सदा रखना अपनी सरकारी में
रहूं सदा शौक बनके दाता मैं तेरा गुलाम
एक अर्ज़ सुनो मेरी
मुझ निर्बल को लो थाम
ओ बाबा खाटू श्याम ....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-ashok-shauq-2/